जन वाचन आंदोलन

बाल पुस्तकमाला

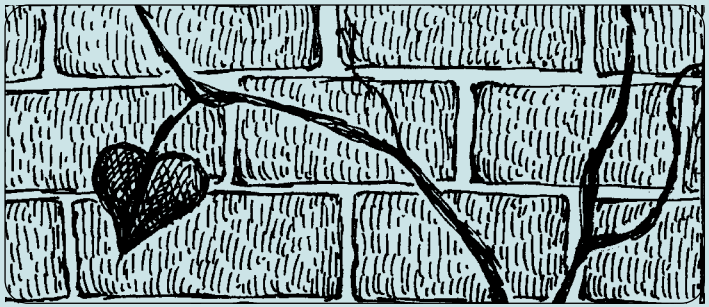

मशहूर कहानीकार ओ. हेनरी की विश्वविख्यात कृति 'दी लास्ट लीफ' का हिंदी रूपांतरण। यह कहानी एक शराबी, बूढ़े असफल चित्रकार की है जो अपनी अंतिम मास्टरपीस कलाकृति– आखिरी पत्ते को पेंट करके, एक मासूम लड़की की जान बचाता है।

What a sacrifice? It is the giving up of something of great value to oneself for a noble purpose - like the Buddha's sacrifice of everything dear to him in his search after truth. This was a noble act of sacrifice. But are the poor capable of it? A beggar for example? What can he sacrifice? Except perhaps... Read this following classic story of the supreme sacrifice by a wretched, drunken artist.

भारत ज्ञान विज्ञान समिति

मूल्य: 10 रुपए B-15 Price 10 Rupees

इस किताब का प्रकाशन भारत ज्ञान विज्ञान समिति ने देश भर में चल रहे साक्षरता अभियानों में उपयोग के लिए किया गया है। जनवाचन आंदोलन के तहत प्रकाशित इन किताबों का उद्देश्य गाँव के लोगों और बच्चों में पढ़ने-लिखने की रुचि पैदा करना है।

आखिरी पत्ता : ओ. हेनरी
The Last Leaf : O. Henry
प्रस्तुति: अरविन्द गुप्ता

जनवाचन बाल पुस्तकमाला के तहत
भारत ज्ञान विज्ञान समिति द्वारा प्रकाशित

भारत ज्ञान विज्ञान समिति

रेखांकन : कैरन हेडाक
लेजर ग्राफिक्स: अभय कुमार झा

प्रकाशन वर्ष: *FJIQAEGDDD AEGDDG*
Published : 1997, 2000, 2002

मूल्य: 10 रुपए
Price : 10 Rupees

Bharat Gyan Vigyan Samithi
Basement of Y.W.A. Hostel No. II, G-Block
Saket , New Delhi - 110017
Phone : 011 - 26569943
Fax : 91 - 011 - 26569773
email: bgvs@vsnl.net

आखिरी पत्ता
The Last Leaf

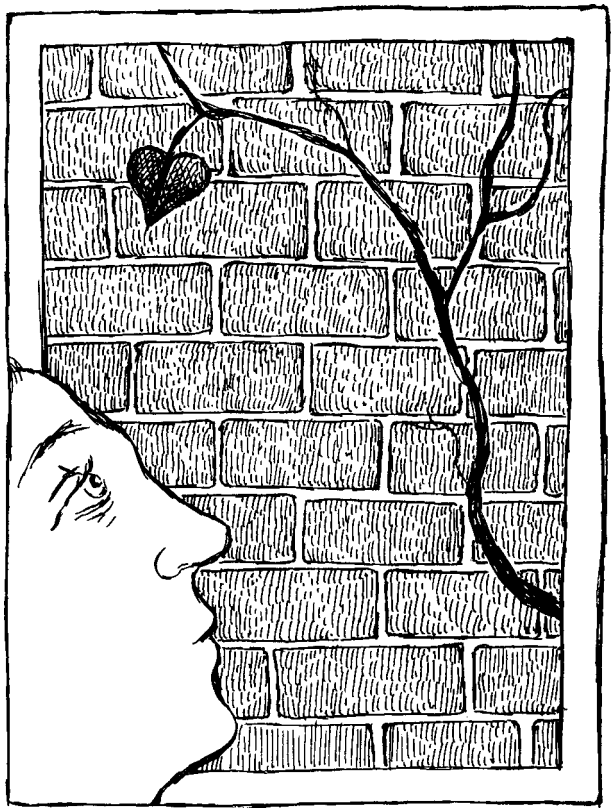

ओ. हेनरी
O. Henry

वाशिंगटन चौक में गलियां पागलों की तरह इधर-उधर दौड़ती हुई ज़मीन को छोटे-छोटे पट्टों में बांटती हैं। कुछ पट्टे तिकोने आकार के हैं तो कुछ अजीबो-गरीब कोण बनाते हैं। कभी कोई चित्रकार यहां आया होगा। उसे यह जगह सस्ती और अच्छी लगी होगी। इसीलिए उसने यहां अपना डेरा जमा लिया।

धीरे-धीरे वहां कई और फटीचर चित्रकार आकर बस गए। चंद वर्षों में यह इलाका आरटिस्टों की एक बस्ती बन गया। यहीं पर एक तीन मंजिले ईंट के मकान की ऊपर वाली बरसाती में सू और जौन्सी का स्टूडियो था। जौन्सी का असली नाम वैसे जोआना था। पर सभी लोग उसे जौन्सी ही कह कर बुलाते थे। एक अमरीकी शहर मेन की रहने वाली थी तो दूसरी कैलिफोर्निया की थी। दोनों पहली बार एक रेस्टोरेन्ट की मेज़ पर मिली थीं। बातचीत के दौरान उन्होंने पाया कि उनकी कलात्मक रुचियां एक दूसरे से काफी मेल खाती हैं। इसी वज़ह से दोनों ने मिल कर एक स्टूडियो खोल लिया।

In a little district west of Washington Square the streets have run crazy and broken themselves into small strips called “places”. These “places” make strange angles and curves. One street crosses itself a time or two. An artist once discovered a valuable possibility in this street. Suppose a collector with a bill for paints, paper and canvas should, in traversing this route, suddenly meet himself coming back, without a cent having been paid on account!

यह बात मई के महीने की थी। नवम्बर की ठंड आते ही, एक अजनबी बीमारी—जिसे डाक्टर निमोनिया कहते हैं, ने बस्ती के कई लोगों को अपने बर्फीले हाथों से आ दबोचा। बस्ती के पूर्वी हिस्से में कहर बरपाने के बाद यह बीमारी दबे पांव बस्ती की संकरी, भूल-भुलइयों वाली गलियों में भी प्रवेश कर चुकी थी।

कम उम्र की जौन्सी, जिसका खून कैलिफोर्निया की पश्चिमी हवाओं द्वारा पहले ही पतला हो चुका था, इस खूंखार बीमारी का शिकार हो गई। जौन्सी बिना हिले-डुले दिन भर अपने पलंग पर पड़ी रहती और खिड़की के बड़े कांच से सामने वाली ईंट के मकान को ताकती रहती थी।

एक दिन डाक्टर ने आकर जौन्सी का मुआइना किया और फिर दरवाज़े के पास हल्की सी आवाज़ में उन्होंने सू से यह शब्द कहे:

''दस में से केवल एक चांस है बचने का।'' उन्होंने थर्मामीटर का पारा झटकते हुए कहा, ''वह भी तब, जब उसमें ज़िंदा रहने की

कुछ ललक जगे। इस भयानक बीमारी के सामने हमारी सभी दवायें फेल हैं। इतने लोग मर रहे हैं कि उन्हें दफनाने के लिए ताबूत कम पड़ रहे हैं। तुम्हारी मित्र ने तो जैसे ठीक न होने की कसम ही खा ली है। उसे क्या कोई निराशा सता रही है।''

So, to the quaint old Greenwich Village the art people soon came prowling, hunting for north windows and seighteenth century gables and Dutch attics and low rents. They imported some pewter mugs and a chafing dish or two from Sixth Avenue, and became a “colony”.

At the top of a squatty, three-storey brick house Sue and Johnsy had their studio. “Johnsy” was familiar for Joanna. One was from Maine, the other from California. They had met at the table d’hote of an Eighth Street “Delmonico’s” and found their tastes in art, chicory salad and bishop sleeves so congenial that the joint studio resulted.

That was in May. In November a cold, unseen stranger, whom the doctors called Pneumonis, stalked about the colony, touching one here one there with his icy finger. Over the East Side this ravager strode boldly, smiting his victims by scores, but his feet trod slowly through the maze of the narrow and moss-grown “places”.

Mr. Pneumonis was not what you would call a chivalric old gentleman. A mite of a little woman with blood thinned by Californian ziphyrs was hardly fair game for the red-fisted, short breathed old duffer. But Johnsy he smote; and she lay, scarcely moving, on her painted iron bedstead, looking through the small Dutch windowpanes at the blank side of the next brick house.

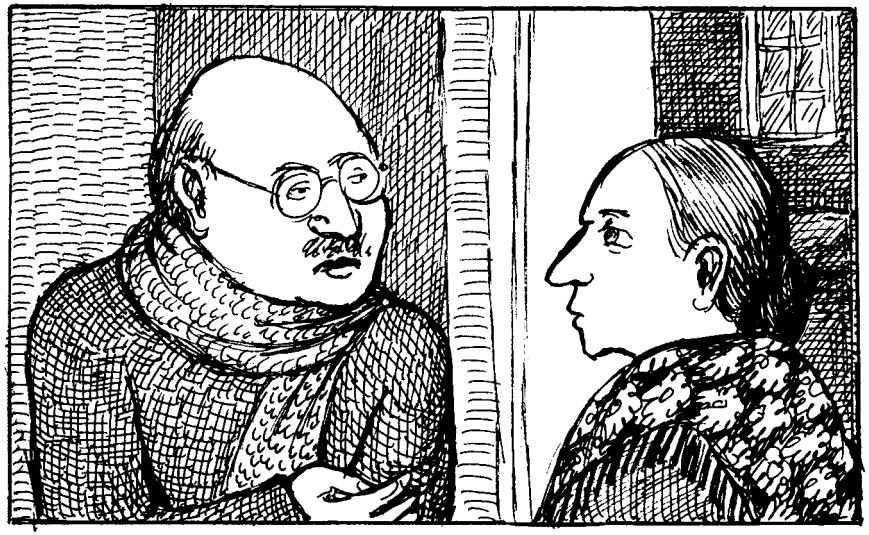

''वह एक दिन नेपल्स में समुद्र की खाड़ी का चित्र पेन्ट करना चाहती है,'' सू ने कहा।

''इस मौके पर पेंटिंग की बात! छोड़ो भी। यह बताओ, क्या वह किसी मर्द वगैरह के चक्कर में तो दुखी नहीं है?''

''नहीं डाक्टर, ऐसा कुछ भी नहीं है,'' सू ने डाक्टर को आश्वस्त किया। ''तब तो बस उसके बदन की कमज़ोरी ही है।'' डाक्टर ने कहा, ''मेरा जो कुछ मेडिकल ज्ञान है उससे मैं अपनी ओर से तो भरसक प्रयास करूंगा ही। पर जब मरीज़ अपने ज़नाज़े में गाड़ियों की संख्या गिनना शुरू कर देते हैं तो मैं अपनी दवाओं की असरदार ताकत को पचास प्रतिशत घटा देता हूं। अगर तुम उसे किसी भी बहाने ज़िंदा रहने के लिए प्रेरित कर सको तो उसके बचने की संभावना दस की बजाए पांच में से एक हो जाएगी।''

डाक्टर के चले जाने के बाद सू अपने कमरे में जाकर फूट-फूट कर रोई। उसका जापानी रूमाल, आंसुओं से तर हो गया। फिर वह ड्राइंग-बोर्ड लेकर, एक गाने की धुन पर सीटी बजाती हुई जौन्सी

के कमरे में गई। जौन्सी का मुंह खिड़की की ओर था और वह पलंग पर चुपचाप पड़ी थी। उसकी चादर की एक भी सिलवट नहीं हिल रही थी। यह सोच, कि जौन्सी सो रही है, सू ने सीटी बजाना बंद कर दिया।

One morning the busy doctor visited Sue into the halfway with a shaggy, grey eyebrow.

"She has one chance in - let us say, ten," he said, as he shook down the mercury in his clinical thermometer. "And that chance is for her to want to live. This way people have of lining up on the side of the undertaker makes the entire pharmacopoeia look silly. Your little lady has made up her mind that she's not going to go well. Has she anything on her mind?"

"She - she wanted to paint the Bay of Naples some day," said Sue.

"Paint? - bosh! Has she anything on her mind worth thinking about twice - a man, for instance?"

"A man?" Sue said with a jew's harp twang in her voice. "Is a man worth - but, no, doctor; there is nothing of the kind."

"Well, it is the weakness, then," said the doctor. "I will do all that science can do. But whenever my patient begins to count the carriages in her funeral procession I subtract 50% from the curative power of medicines. If you will get her to ask one question about the new winter style in cloak sleeves I will promise you a one-in-five chance for her, instead of one in ten."

After the doctor had gone, Sue went into the workroom and cried a Japanese napkin to a pulp. Then she swaggered into Johnsy's room with her drawing board, whistling a popular tune of US Black origin.

थोड़ी देर में सू अपनी पेंटिंग में खो गई। वह दो घोड़े बना रही थी जिनमें से एक पर एक रेड इंडियन सवार था। तभी उसे एक हल्की सी आवाज़ सुनाई पड़ी। आवाज़ जब दुबारा आई, तो वह झट अपना काम छोड़ कर जौन्सी के पलंग के पास गई।

जौन्सी चुपचाप पड़ी थी। उसकी आंखें पूरी तरह खुली थीं। वह खिड़की के बाहर टकटकी लगाए ताक रही थी और उल्टी गिनती गिन रही थी।

''बारह,'' उसने कहा। फिर कुछ देर बाद, ''ग्यारह'' फिर ''दस।'' ''नौ, आठ, सात'' तो उसने एक ही सांस में इकट्ठे कह डाले।

She arranged her board and began a pen-and-ink drawing to illustrate a magazine story. Young artists must pave their way to Art by drawing pictures for magazine stories that young authors write to pave their way to Literature.

As Sue was sketching a pair of elegant horse-show riding trousers and a monocle on the figure of the hero, an Idaho cowboy, she heard a low sound, several times repeated. She went quickly to the bedside.

Johnsy's eyes were open wide. She was looking out of the window and counting backward.

"Twelve", she said, and a little late, "eleven", and the "ten", and "nine", and then "eight" and "seven", almost together.

Sue looked solicitously out the window. What was there to count? There was only a bare, dreary yard to be seen, and the blank side of the brick house twenty feet away. An old, old ivy vine, gnarled and decayed at the roots, climbed halfway up the brick wall. The cold breath of autumn had stricken its leaves from the vine until its skeleton branches clung, almost bare, to the crumbling bricks.

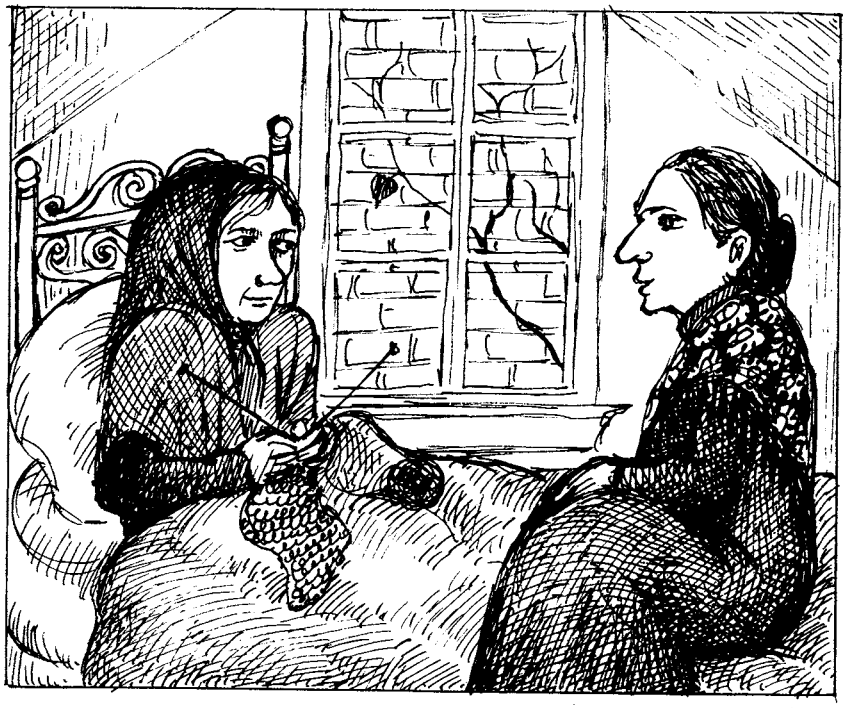

सू भी ध्यान से खिड़की के बाहर देखने लगी। आखिर जौन्सी क्या गिन रही है? बाहर एक छोटा सा मैदान था और उससे बीस फीट की दूरी पर दूसरे घर की ईंट की दीवार थी। एक गंठीले तने वाली बेल, जिसकी जड़ सड़ चुकी थी, दीवार पर आधी ऊंचाई तक चिपकी थी। पतझड़ की सर्द हवायें बेल के लगभग सभी पत्तों को उड़ा ले गयी थीं। अब बेल की टहनियों का सिर्फ कंकाल बचा था जो दीवार की ढहती ईंटो से चिपका था।

''क्या बात है जौन्सी,'' सू ने पूछा।

''छह,'' जौन्सी ने फुसफुसाते हुए कहा। ''अब वह तेज़ी से झड़ रही हैं। तीन दिन पहले लगभग सौ थीं। उन्हें गिनते-गिनते मेरा सिर चकरा गया था। परंतु अब गिनना आसान है। लो, एक और गिर गई। अब केवल पांच बची हैं।''

''पांच, क्या?'' कुछ तो बताओ जौन्सी?''

"What is it, dear?" asked Sue.

"Six", said Johnsy, in almost a whisper. "They're falling faster now. Three days ago there were almost a hundred. It made my head ache to count them. But now it's easy. There goes another one. There are only five left now."

"Five of what, dear? Tell your Sudie."

"Leaves. On the ivy vine. When the last one falls I must go too. IÕve known that for three days. Didn't the doctor tell you?"

"Oh, I never heard of such nonsense," complained Sue, with magnificent scorn. "What have old ivy leaves to do with your getting well? And you used to love that vine so, naughty girl. Don't be a goosey. Why, the doctor told me this morning that your chance for getting well really soon were - let's see exactly what he said - he said the chances were ten to one! Why, that's almost as good a chance as we

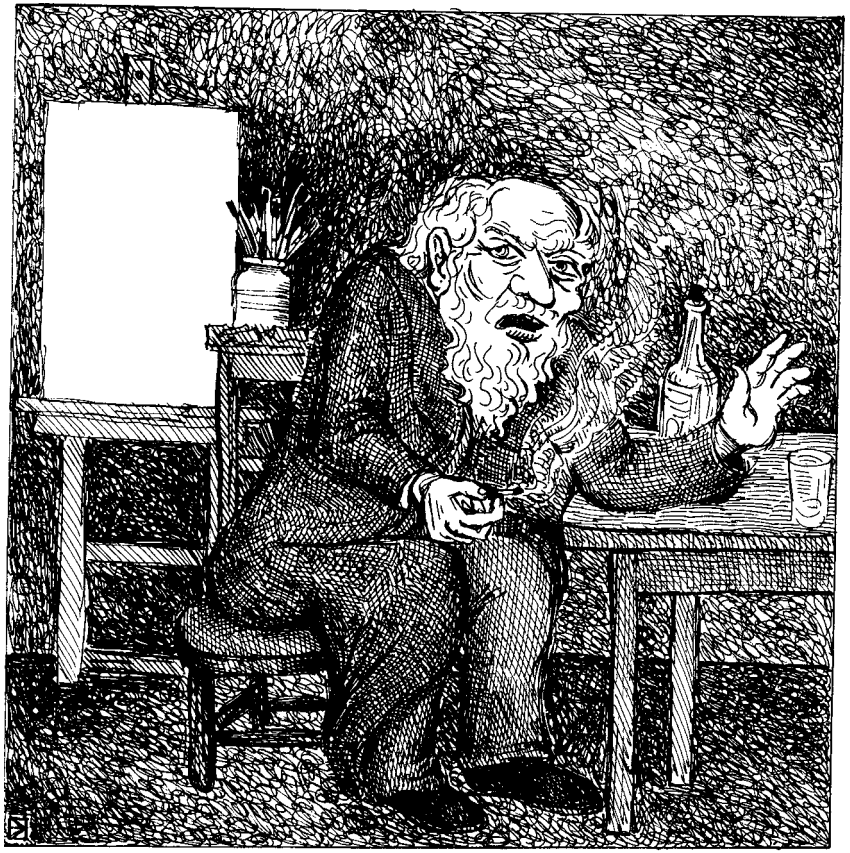

''पत्तियां। उस पुरानी बेल पर। जब आखिरी पत्ती झड़ जायेगी तब मैं भी चल बसूंगी। मुझे पिछले तीन दिनों से इस बात का आभास हो रहा है। क्या तुम्हें डाक्टर ने नहीं बताया!''

''मैंने इस तरह की बकवास पहले कभी नहीं सुनी,'' सू ने एतराज़ के लहज़े में कहा, ''इन बूढ़ी पत्तियों का तुम्हारी तबियत के ठीक होने से भला क्या लेना-देना? मुझे याद है कि यह बेल हमेशा से तुम्हें बहुत प्यारी लगती रही है। पर इतनी पागल न बनो। अभी सुबह ही डाक्टर ने मुझे बताया है कि तुम्हारे अच्छे होने की संभावना दस में से एक है। यह एक अच्छी संभावना है। थोड़ा धीरज रखो और लो, यह सूप पियो। मैं अपनी पेंटिंग पूरी करती हूं, जिससे कि उसे बेच कर

तुम्हारे लिए कुछ अच्छा खाना और वाइन ला सकूं।''

''अब तुम और वाइन मत लाना,'' जौन्सी ने खिड़की के बाहर ताकते हुए कहा।

''लो, एक पत्ती और गिर गई। अब केवल चार पत्तियां ही बची हैं। मैं अंधेरा होने से पहले आखिरी पत्ती को गिरते देखना चाहती हूं। फिर मैं भी चली जाऊंगी।''

''मेरी प्यारी जौन्सी!'' सू ने झुकते हुए कहा, ''तुम मुझ से वादा करो कि तुम अपनी आंखें बंद रखोगी और जब तक मैं काम कर रही हूं तब तक खिड़की के बाहर नहीं झांकोगी। मुझे यह पेंटिंग कल तक पूरी करके देनी है। चित्र बनाने के लिए रोशनी चाहिए नहीं तो खिड़की का पर्दा गिरा देती।''

have in New York when we ride on the street-cars or walk past a new building. Try to take some broth now, and let Sudie go back to her drawing, so she can sell it to the editor man, and buy port wine for her sick child, and pork chops for her greedy self."

"You needn't get any more wine," said Johnsy, keeping her eyes fixed out of the window.

"There goes another. No, I don't want any broth. That leaves just four. I want to see the last one fall before it gets dark. Then I'll go too."

"Johnsy, dear," said Sue, bending over her, "will you promise me to keep your eyes closed, and not look out of the window until I am done working? I must hand in those drawings by tomorrow. I need the light or I would draw the shade down."

"Couldn't you draw in the other room?" asked Johnsy coldly.

"I'd rather be here by you," said Sue. "Besides, I don't want you to keep looking at those silly ivy leaves."

''क्या तुम दूसरे कमरे में जाकर पेंट नहीं कर सकती?'' जौन्सी ने रुखाई से पूछा।

''इस समय मेरा तुम्हारे साथ रहना ही अच्छा है,'' सू ने कहा। ''दूसरे, मैं नहीं चाहती कि तुम उन पत्तियों को ताकती रहो।''

''जैसे ही तुम्हारा काम खत्म हो तुम मुझे बता देना,'' जौन्सी ने अपनी आंख मूंदते हुए कहा। उसका चेहरा एकदम सफेद था और वह किसी निश्चल मूर्ति की भांति शांत पड़ी थी। वह बोली, ''मैं आखिरी पत्ते को गिरते देखना चाहती हूं। मैं इंतज़ार करते-करते थक गई हूं। मैं सोचते-सोचते भी थक गई हूं। मैं अब दुनिया की हर चीज़ के साथ अपनी जकड़ और लगाव ढीला करना चाहती हूं और फिर मुक्त होकर उन सूखी पत्तियों की तरह तैरते हुए धीरे-धीरे नीचे, और नीचे गिरना चाहती हूं।''

''थोड़ा सोने की कोशिश करो जौन्सी,'' सू ने कहा। ''मैं जरा बैरम को बुलाती हूं। मैं एक खदान मजदूर का चित्र बना रही हूं और चाहती हूं कि बैरम कुछ देर तक मॉडल जैसे खड़ा रहे। मैं बस दो मिनट में आई। तब तक तुम बिल्कुल हिलना नहीं।''

"Tell me as soon as you have finished," said Johnsy, closing her eyes, and lying white and still as a fallen statue, "because I want to see the last one fall. I'm tired of thinking. I want to turn loose my hold on everything, and go sailing down, down, just like one of those poor, tired leaves."

"Try to sleep," said Sue. "I must call Behrman up to by my model for the old hermit miner. I'll not be gone a minute. Don't try to move till I come back."

Old Behrman was a painter who lived on the ground floor beneath them. He was past sixty and had a Michael Angelo's Moses beard curling down from the head of a Ûsatyr - god of wood, half man and half animal. He had a body of an imp. Forty years he had yielded the brush without getting near enough to touch the hem of his Mistress's robe - his art. He had been always about to paint a masterpiece, but had never yet begun it. For several years he had painted nothing except now and then a daub in the line of commerce or advertising.

He earned a little by serving as a model to those young artists in the colony who could not pay the price of a professional. He drank gin to excess, and still talked of his coming masterpiece. For the rest he was a fierce little old man, who scoffed terribly at softness in anyone, and who regarded himself as especial mastiff in waiting to protect the two young artists in the studio above.

बूढ़ा बैरम भी एक पेंटर था जो उसी मकान में निचली मंज़िल पर रहता था। वह कोई साठ साल का होगा। उसकी लंबी दाढ़ी थी। बैरम एक हारा और असफल पेंटर था। चालीस साल ब्रश चलाने के बाद भी वह कोई खास कामयाबी हासिल नहीं कर पाया था। उसके दिल में हमेशा एक मास्टरपीस पेंट करने की तमन्ना थी, परंतु वह उसे कभी शुरू नहीं कर पाया था। कई सालों से उसने कोई अच्छी कलाकृति नहीं बनाई थी। रोज़ी-रोटी के लिए वह कभी-कभार साइन बोर्ड और तख्तियां पेंट करता था। बस्ती के युवा आरटिस्टों के लिए वह मॉडल का काम कर कुछ पैसे कमा लेता था। वह शाम को जम कर दारू पीता और फिर अपनी आनेवाली मास्टरपीस कलाकृति के बारे में सबको बताता। वह एक चिड़चिड़ा, दढ़ियल बुड्ढा था, जो हरेक की कमज़ोरियों पर हंसता था। पर उसके दिल में अपनी छत पर रह रहे दोनों युवा चित्रकारों के लिए बहुत प्यार था।

सू जब नीचे गई तो बैरम अपनी कोठरी में बैठा सिगरेट फूंक रहा था। उसके पास ही उसका ड्राइंग बोर्ड था, जिसका कोरा कैनवस पिछले पच्चीस सालों से पेंट लगने का इंतज़ार कर रहा था। सू ने बैरम को जौन्सी के बारे में पूरी बात बताई—कि कैसे पत्तियों के गिरने के साथ-साथ जौन्सी की ज़िंदगी भी ढल रही थी।

Sue found Behrman smelling strongly of juniper berries in his dimly-lighted den below. In one corner was a blank canvas on the easel that had been waiting there for twenty-five years to receive the first line of the masterpiece. She told him of Johnsy's fancy, and how she feared she would, indeed, light and fragile as a leaf herself, float away when her slight hold upon the world grew weaker.

Old Behrman, with his red eyes plainly streaming,

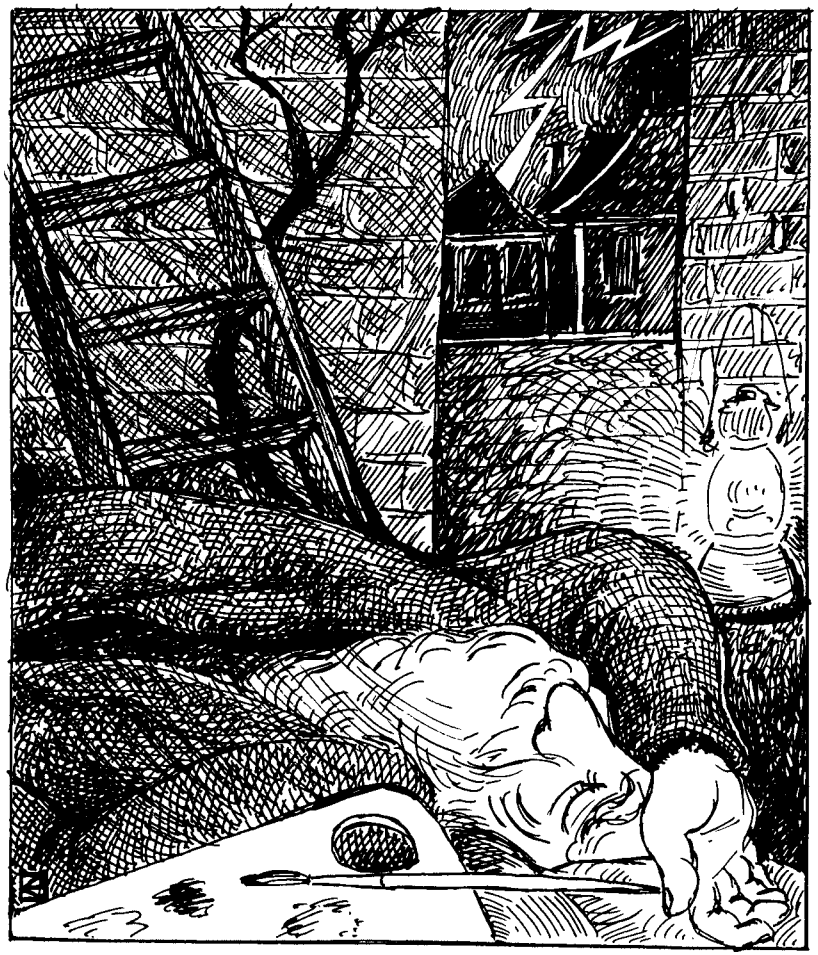

shouted his contempt and derision for such idiotic imaginings.

"Vass!" he cried. "Is dere people in de world mitt der foolishness to die because leafs dey drop off from a confounded vine? I haf not heard of such a thing. No, I vill not bose as a model for your foot hermit-dunderhead. Vy do you allow dot silly pusiness to come in der prain of her? Ach, dot poor little Miss Yohnsy."

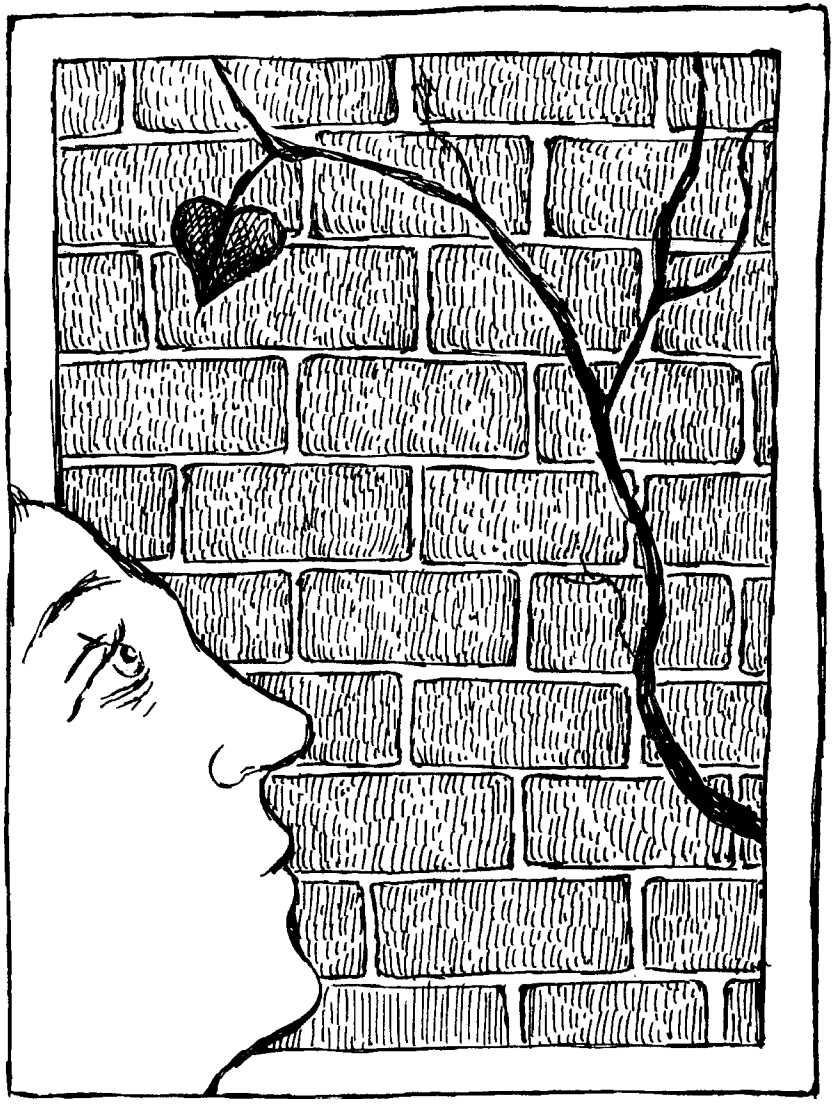

''कैसे-कैसे बेवकूफ़ लोग हैं इस दुनिया में, जो इसलिए मरना चाहते हैं क्योंकि किसी सूखी बेल की पत्तियां झड़ रही है? मैंने ऐसी बात पहले कभी नहीं सुनी। खैर, इस वक्त में तुम्हारे लिए मॉडलिंग नहीं कर पाऊंगा। और मैं जौन्सी की मदद भी कैसे कर सकता हूं?''

''इस समय जौन्सी बेहद बीमार और कमज़ोर है,'' सू ने कहा। ''और तेज़ बुखार के कारण उसके दिमाग में अजीबोगरीब विचार आ रहे हैं। बैरम, तुम्हारी जैसी मर्ज़ी। तुम मॉडल नहीं बनना चाहते तो न बनो। वैसे तुम एक दम निठल्ले आदमी हो—न काम के न धाम के।''

"She is very ill and weak," said Sue, "and the fever has left her mind morbid and full of strange fancies. Very well, Mr. Behrman, if you do not care to pose for me, you needn't. But I think you are a horrid old - okd flibbertigibbit - a frivolous, gossip loving person."

"You are just like a woman!" yelled Behrman. "Who said I vill not bose. Go on, I come mit you. For half and hour I haf peen trying to say dot I am ready to bose. Gott! dis is not an blace in which one so goot as Miss Yohnsy shall lie sick. Some day I will baint a masterpiece, and ve shall all go avay. Gott! yes."

Johnsy was sleeping when they went upstairs. Sue pulled the shade down to the window sill and motioned Behrman into the other room. In there they peered out of the window fearfully at the ivy vine. Then they looked at each other for a moment without speaking. A persistent, cold rain was falling, mingled with snow. Behrman, in his old blue shirt, took his seat as the hermit-miner on an upturned kettle for a rock.

When Sue woke from an hour's sleep the next morning she found Johnsy with dull, wide-open eyes staring at the drawn green shade.

"Pull it up! I want to see," she ordered, in a whisper.

Wearily Sue obeyed.

But lo! after the beating rain and fierce gusts of wind that had endured through the livelong night, there yet stood

बैरम भी अब चिल्लाया, ''किसने कहा कि मैं मॉडल नहीं बनूंगा। तुम चलो, मैं अभी आधे घंटे में तुम्हारे पास आता हूं। जौन्सी की तबियत के बारे में सुनकर मेरा दिल दुखी हो गया है। एक दिन मैं अपनी मास्टरपीस कलाकृति अवश्य पेंट करूंगा और फिर हम सब लोग यहां से चले जायेंगे।''

जब वह दोनों ऊपर पहुंचे तो जौन्सी गहरी नींद में सोई थी। सू ने पर्दा गिरा दिया और बैरम को दूसरे कमरे में ले गई। वहां वह दोनों सहमे हुए खिड़की के बाहर उस बेल को घूरने लगे। फिर वह एक क्षण के लिए बिना बोले एक दूसरे को देखते रहे। बाहर ठंडी बर्फ पड़ रही थी और लगातार बारिश हो रही थी। फिर बैरम खदान मजदूर की अदा में मॉडल बन कर बैठ गया और सू उसका चित्र बनाने लगी।

जब सुबह सू सो कर उठी तो उसने जौन्सी को फटी आंखों से खिड़की के हरे पर्दे को ताकते पाया।

''पर्दा उठाओ! मैं बाहर देखना चाहती हूं,'' उसने धीमी अवाज़ में आदेश दिया।

अनमने दिल से सू ने उसका पालन किया।

वाह! सारी रात भयानक तूफान और भीषण हवाओं के बावज़ूद उस ईंट की दीवार में बेल पर अभी भी एक पत्ती लटकी थी। पत्ती तने के पास हरी थी, परंतु उसकी दंतीली किनार उम्र के साथ-साथ पीली पड़ चुकी थी। वह सहमी पत्ती अपना सारा साहस बटोरे अभी भी ज़मीन से कोई बीस फीट ऊपर लटकी थी।

''यह आखिरी पत्ती है,'' जौन्सी ने कहा, ''मैंने सोचा था कि यह निश्चित ही रात को गिर जायेगी। मैंने हवा के तेज़ झोंकों की चीत्कार सुनी थी। यह पत्ती आज तो अवश्य ही गिरेगी और तब मैं भी चल बसूंगी।''

out against the brick wall one ivy leaf! It was the last one on the vine. Still dark green near the stem, but with its serrated edges tinted with the yellow of dissolution and decay, it hung bravely from a branch some twenty feet above the ground.

"It is the last one," said Johnsy. "I thought it would surely fall during the night. I heard the wind. It will fall to-day, and I shall die at the same time."

"Dear, dear!" said Sue, leaning her worn face down to the pillow; "think of me, if you won't think of yourself. What would I do?"

But Johnsy did not answer. The lonesomest thing in the world is the soul when it is making ready to go on its mysterious, far journey. The fancy seemed to possess her more strongly as one by one the ties that bound her to friendship and to earth were loosed.

The day wore away, and even through the twilight they could see the long ivy leaf clinging to its stem against the wall. And then, with the coming of the night the north wind was again loosed, while the rain still beat against the windows and pattered down from the low Dutch eaves.

When it was light enough Johnsy, the merciless, commanded that the shade be raised.

The ivy leaf was still there.

Johnsy lay for a long time looking at it. And then she called to Sue, who was stirring her chicken broth over the gas-stove.

"I've been a bad girl, Sudie," said Johnsy. "Something has made that last leaf stay there to show me how wicked I was. It is a sin to want to die. You may bring me a little broth now; and some milk with a little port in it, and - no bring me a hand mirror first; and then pack some pillows about me,

''जौन्सी,'' सू ने अपने मुरझाए चेहरे को तकिए में छिपाते हुए कहा। ''अगर तुम अपने बारे में चिंतित नहीं हो तो कम से कम मेरे बारे में तो सोचो। तुम्हारे बगैर मैं क्या करूंगी?''

जौन्सी ने कोई उत्तर नहीं दिया। दुनिया में सबसे अकेली आत्मा वह होती है जो किसी दूसरी, अनजानी दुनिया में जाने की तैयारी में हो। कैसे-कैसे करके वह दिन ढला। शाम की धुंधली रोशनी में उन्हें अभी भी वह आखिरी पत्ता साफ दिखाई दे रहा था। रात होते ही, उत्तरी हवा ने अपना तांडव-नृत्य दुबारा शुरू कर दिया और तेज़ बारिश की बूंदे लगातार खिड़की के कांच से टकरा कर गिरती रहीं।

जैसे ही पौं फटी और थोड़ा उजाला हुआ वैसे ही जौन्सी ने खिड़की का पर्दा हटाने का आदेश दिया।

बेल पर लगा आखिरी पत्ता अभी भी था।

जौन्सी काफी देर तक लेटे-लेटे उसे निहारती रही। फिर उसने सू को बुलाया, जो कि चौके में गैस पर चिकन-सूप बना रही थी।

and I will sit up and watch you cook."

An hour later she said -

"Sudie, some day I hope to paint the Bay of Naples."

The doctor came in the afternoon, and Sue had an excuse to go into the hallway as he left.

"Even chances," said the doctor, taking Sue's thin shaking hand in his. "With good nursing youÕll win. And now I must see another case I have downstairs. Behrman, his name is - some kind of an artist, I believe. Pneumonia, too. He is an old, weak man, and the attack is acute. There is no hope for him; but he goes to the hospital today to be made more comfortable."

The next day the doctor said to Sue, "She's out of danger. YouÕve won. Nutrition and care now - that's all."

And that afternoon Sue came to the bed where Johnsy was contentedly knitting a very blue and very useless woolen shoulder scarf, and put one arm around her, pillows and all.

"I have something to tell you, white mouse," she said. "Mr. Behrman died of pneumonia to-day in hospital. He was ill only two days. The janitor found him in the morning of the first day in his room downstairs helpless with pain. His shoes and clothing were wet through and icy cold. They couldn't imagine where he had been on such a dreadful night. And yet they found a lantern, still alighted, and a ladder that had been dragged from its place, and some scattered brushes, and a palette with green and yellow colours mixed on it, and - look out of the window, dear, at the last ivy leaf on the wall. Didn't you wonder why it never fluttered or moved when the wind blew? Ah, darling, it's Behrman's masterpiece - he painted it there the night that the last leaf fell."

❐❐❐

''मुझ से भारी गलती हुई है सू, ''जौन्सी ने कहा। ''न जाने क्यों वह आखिरी पत्ता अभी भी वहां है। वह पत्ता मेरी दुष्टता बताता है। मैं मरने की सोच रही थी, जो एक पाप है। अब तुम मेरे लिए थोड़ा सूप ले आओ और साथ में एक कप दूध भी। हां! उससे पहले जरा आईना तो देना। फिर मेरी पीठ के पीछे कुछ तकियों की टेक लगा दो जिससे मैं तुम्हें खाना बनाते हुए देख सकूं।''

एक घंटे के बाद जौन्सी ने फिर कहा:

''सू, एक दिन मैं नेपल्स में समुद्र की खाड़ी पेंट करना चाहती हूं।''

शाम को जब डाक्टर आए तो सू उन्हें दरवाज़े तक छोड़ने आई।

''अब ठीक होने की अच्छी संभावना है,'' डाक्टर ने सू से हाथ मिलाते हुए कहा। ''अगर अच्छी तरह देखभाल करोगी, तो तुम अवश्य जीत जाओगी। अब मैं नीचे जा रहा हूं जहां एक और मरीज़ को देखना है। एक बूढ़ा आदमी है—नाम है बैरम, शायद कोई आरटिस्ट है। उसे भी लगता है निमोनिया हो गया है। मरीज़ की हालत काफ़ी खराब है और बचने की कोई उम्मीद नहीं है। आज उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जायेगा।''

अगले दिन डाक्टर ने सू से कहा, ''तुम्हारी दोस्त अब खतरे से बाहर है। तुम बाज़ी जीत गयी। उसे अब अच्छा खाना खिलाओ, बस।''

उस शाम जब सू, जौन्सी के पास गई तो वह पलंग पर बैठी इतमीनान से ऊन का एक मफलर बुन रही थी। सू ने अपना हाथ उसके कंधे पर रखा।

''मुझे तुम्हें कुछ बताना है,'' उसने कहा। ''बैरम का आज अस्पताल में निमोनिया से देहांत हो गया। वह केवल दो ही दिन बीमार रहा। मकान के चौकीदार ने पहले दिन सुबह बैरम को उसकी कोठरी में तकलीफ से तड़पते देखा। बैरम के कपड़े और जूते एकदम गीले थे

और बर्फ की तरह ठंडे थे। किसी को कुछ पता नहीं कि वह उस तूफानी रात में कहां गया था। फिर उन्हें एक लालटेन मिली जो तब भी जल रही थी। वहां एक सीढ़ी भी मिली जिसे अपनी जगह से सरकाया गया था। उन्हें पेंट करने के कुछ ब्रश भी इधर-उधर बिखरे मिले और एक प्लेट भी मिली जिसमें हरा और पीला रंग मिला था। जौन्सी, अब जरा तुम खिड़की के बाहर उस आखिरी पत्ते को तो देखो। क्या तुमने अचरज किया कि वह पत्ता हवा में क्यों नहीं हिलता या फड़फड़ाता है? मेरी प्यारी जौन्सी, यह आखिरी पत्ता बैरम की मास्टरपीस कलाकृति है। उसने उसे उस रात को पेंट किया, जब बेल का आखिरी पत्ता नीचे झड़ा।''

❐❐❐